दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के विलीनीकरण के बाद अब मिनी असेंबली की ओर सोचने की जरुरत

संपादकीय

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव का विलीनीकरण हो चुका है। अब इससे आगे मिनी असेंबली के बारे में सोचने की जरुरत है। केन्द्र की मोदी सरकार ने लोकसभा एवं राज्यसभा दोनों सदनों में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के विलीनीकरण का विधेयक पास करवा लिया है। जल्द ही इस बिल पर राष्ट्रपति महोदय की मुहर भी लग जायेगी। ऐसे में अब दोनों संघ प्रदेशों के लोगों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढने की जरुरत है। 2011 की जनगणना के अनुसार दादरा नगर हवेली की जनसंख्या 3,43,709 और दमण-दीव की जनसंख्या 2,43,247 थी। अब जब दोनों संघ प्रदेशों का विलय होकर एक संघ प्रदेश बन गये है तो अब 2021 तक संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की कुल जनसंख्या लगभग 8 से 9 लाख पहुंच सकती है। ऐसे में मिनी असेंबली की दिशा में सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। इसके लिए प्रशासन का विरोध नहीं बल्कि केन्द्र सरकार के समक्ष संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, जिला पंचायत सदस्यों, काउंसिलरों को मिलकर मिनी असेंबली की मांग संविधान के तहत दायरे में रहकर करनी चाहिए। 1987 तक यहां पर विधानसभा थी, इसके बाद अलग केन्द्रशासित प्रदेश बनने के बाद यह शासन चल रहा था। 2016 से संघ प्रदेश में शासन व्यवस्था में काफी बदलाव आया है। लेकिन जिला पंचायत, सरपंचों एवं म्युनिसिपल के छीने गये मूल अधिकार वापस नहीं मिले है। हालांकि यह सभी अधिकार मोदी सरकार के गठन से पहले ही निकल चुके थे। यहां की आर्थिक स्थिति सुदृढ है। मिनी असेंबली के लिए राजस्व भी उपलब्ध है। दोनों संघ प्रदेशों के विलय के बाद बने एक संघ प्रदेश की जनसंख्या के आधार पर यहां पर मिनी असेंबली पुड्डुचेरी की तर्ज पर दी जा सकती है। पिछले काफी समय से दमण-दीव को गुजरात और दादरा नगर हवेली को महाराष्ट्र में जोडने की चल रही अटकलों पर दोनों संघ प्रदेशों के विलय के साथ ही पूर्ण विराम लग चुका है। अब ऐसे में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, अग्रणियों को संघर्ष का रास्ता छोडकर संवाद के रास्ते से मिलकर आगे बढते हुए मिनी असेंबली की दिशा में सोचना चाहिए।

विजय भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल की एक और सफल पहल

पुर्तगाल कॉन्सुलेट का दमण में आज लगेगा कैंप : जनता को मिलेगी सुविधा

■ पुर्तगाल कॉन्सुलेट लुईस नोरतै ने दमण-दीव-दानह प्रशासक प्रफुल पटेल से की शुभेच्छा मुलाकात ■ दमण की जनता को गोवा तक नहीं खाना होगा धक्का

(असली आजादी न्यूज नेटवर्क) दमण 09 दिसंबर। दमण के नागरिकों को पुर्तगाल की नागरिकता हासिल करने के लिए अब गोवा जाने की जरुरत नहीं होगी। क्योंकि संघ प्रदेश दमण-दीव-दानह प्रशासक प्रफुल पटेल की पहल पर दमण में कैम्प लगाया जा रहा है। मंगलवार यानी 10 दिसंबर को यह कैम्प मोटी दमण समाहर्तालय के सभागार में आयोजित किया जायेगा। सुबह 9 बजे से शुरु होकर यह कैम्प शाम शुक्रवार दोपहर 1 बजे तक चलेगा। मंगलवार को सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक पुर्तगाल एम्बेसी से आये हुए पुर्तगाल कॉन्सुलेट लुईस नोरतै और उनके 2 कलिक पुर्तगाल नागरिकता के कागजातों की जांच-पड़ताल करेंगे। दमण पहुंचे पुर्तगाल कॉन्सुलेट लुईस नोरतै ने आज संघ प्रदेश दमण-दीव-दानह प्रशासक प्रफुल पटेल से शुभेच्छा मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि दमणवासियों को पुर्तगाल की नागरिकता हासिल करने के लिए गोवा तक जाना पडता था। लेकिन यह सुविधा दमण में ही उपलब्ध हो जायेगी। पहले यह कैम्प साल में एक ही बार लगाया जाता था। लेकिन अब साल में दो बार इस तरह का कैम्प लगाया जायेगा। जिससे दमणवासियों को पुर्तगाल नागरिकता हासिल करने में काफी आसानी होगी।

असली आज़ादी Tue, 10 December 2019
https://www.readwhere.com/read/c/46714362